जैन विश्व भारती-समण संस्कृति संकाय, लाडनूँ

जैन विद्या परीक्षा : सत्र 2014-2015

1 अ

जैन विद्या भाग-1

समय : ½ घण्टा प्रश्न पत्र : भाग-अ पूर्णांक 30

नामांक अंको में .....

शब्दों में.....

नोट :- सब प्रश्नों के अंक समान है।

अ, ब, स, द में से सही उत्तर वाले वर्ण को सामने अंकित कोष्ठक ( ) में भरें।

1. भगवान महावीर के 11 गणधर किस जाति के थे?
   (अ) क्षत्रिय (ब) ब्राह्मण
   (स) वैश्य (द) शुद्र ( )
2. दुविहं तिविहेणं का अर्थ है-
   (अ) न करना न कराना (ब) निवृत होना
   (स) एक करण एक योग (द) दो करण तीन योग ( )
3. पानी किस काय के जीवों का शरीर है?
   (अ) अप्कायिक (ब) पृथ्वीकायिक
   (स) तैजसकायिक (द) वायुकायिक ( )
4. ग्यारहवें तीर्थंकर है-
   (अ) पदमप्रभ (ब) शीतलनाथ
   (स) श्रेयांसनाथ (द) धर्मनाथ ( )
5. सावद्य का अर्थ है-
   (अ) पाप रहित कार्य (ब) पाप सहित कार्य
   (स) झूठ बोलना (द) चोरी करना ( )
6. आचार्य महाश्रमणजी का जन्म हुआ-
   (अ) 4 मई 1960 (ब) 13 मई 1962
   (स) 5 जून 1959 (द) 2 जुलाई 1962 ( )
7. अमर कुमार ने शरण ली-
   (अ) माता की (ब) रानी की
   (स) राजा की (द) नमस्कार महामंत्र की ( )
8. तेरापंथ धर्मसंघ की स्थापना हुई-
   (अ) वि.सं. 1818 (ब) वि.सं. 1783
   (स) वि.सं. 1817 (द) वि.सं. 1860 ( )

9. आचार्य महाप्रज्ञ का आचार्य पद पर 5 फरवरी 1995 को अभिषेक कहां हुआ?
(अ) महरोली, दिल्ली (ब) गंगाशहर (बीकानेर)
(स) राजलदेसर (द) सुजानगढ़ ( )

10. भगवान महावीर को केवल ज्ञान किस दिन प्राप्त हुआ?
(अ) चैत्र शुक्ला त्रयोदशी (ब) वैशाख शुक्ला दशम
(स) श्रावण कृष्णा दशम (द) कार्तिक कृष्णा अमावस्या ( )

रिक्त स्थान की पूर्ति करें –

(1) सहनशील बन वीर बनेंगे,.....नहीं सुनेंगे।
(2) तेरापंथ के प्रमुख तेरह नियम–पांच महाव्रत,..... और..... गुप्ति है।
(3) आचार्य तुलसी जब आचार्य बने तब आपकी उम्र.....वर्ष थी।
(4) यह लम्बे–लम्बे तारों की गुंथी.....है।
(5) दसवां बोल.....है।
(6) भैक्षव शासन.....की सौरभ से सुरभित भुतल हो।
(7) भगवान महावीर के निर्वाण के पश्चात् गणधर..... उनके उत्तराधिकारी बने।
(8) पानी किस काया के जीवों का शरीर है?.....
(9) आचार्य महाश्रमण का जन्म वि.सं.....वैशाख ..... को हुआ।
(10) केवल्य प्राप्ति के पश्चात भगवान महावीर ने साध्वियों का भार साध्वी.....को दिया।

सही और गलत का चयन (✓) व (✗) का चिन्ह लगावें –

(1) जैन धर्म पूर्व जन्म व पुनर्जन्म को नहीं मानता। ( )
(2) अणुव्रत एक साम्प्रदायिक आन्दोलन है। ( )
(3) सामायिक का काल पूर्ण होने पर आलोचना पाठ बोला जाता है। ( )
(4) आचार्य भिक्षु का जन्म बगड़ी में हुआ। ( )
(5) आचार्य महाश्रमण जी की दीक्षा मुनिश्री सुमेरमलजी (लाडनूँ) द्वारा हुई। ( )
(6) क्रोध को क्रोध से जीता जा सकता है। ( )
(7) धर्म के उपाय है संवर और निर्जरा। ( )
(8) आचार्य भिक्षु अलग हुए तब उनके साथ पांच साधु थे। ( )
(9) आचार्य महाप्रज्ञ की माता का नाम वदनांजी व पिता का नाम झूमरमलजी था। ( )
(10) परमेष्ठी वंदना के रचनाकार आचार्य भिक्षु है ( )